2/2/22

B.A. Part III ①
Hindi Hons
Paper - 8
सगुण भक्ति काव्य

डॉ० अरविन्द कुमार
सहायक प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
राम लखन? कॉलेज,
जहानाबाद

प्रश्न — रसखान के काव्य में निहित विशेषताओं का उल्लेख करें। अथवा रसखान की भक्ति भावना पर प्रेम दर्शन पर प्रकाश डालें।

उत्तर:— माथे पर मोर का पंख, हाथ में लकुटी, कमर में पीताम्बर तथा अधर पर मुरली धारण करने वाले कृष्ण पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले रसखान उन भाग्यवान कवियों में हैं जो कृष्ण भक्ति में अपनी आत्मा को अभिव्यक्त कर सके। कृष्ण भक्ति में अपनी आत्मा की विश्वासमयी अनुभूतियों तथा निश्छल भावना के कारण अमर प्रतिनिधि कवि हो गये। कृष्ण भक्ति काव्य अमर प्रतिनिधि कवि हो गये। कृष्ण भक्ति काव्य के आलोक में आठों विन्दुओं एवं नवों निधियों को कृष्ण की लकुट और कामरी पर न्योछावर करने वाला दूसरा व्यक्ति उपलब्ध नहीं होता है।

रसखान कृष्ण भक्त कवि थे। उनके कृष्ण अलौकिक व्यक्ति हैं। कृष्ण के उस निर्गुण ब्रह्म रूप से रसखान पूर्णतः परिचित अवश्य हैं जिसको वेदों और पुराणों ने अनादि, अनन्त, अखंड इत्यादि कहा है तथा जिसका पार शेष, महेश, गणेश भी नहीं पा सके हैं। पर कृष्ण के उस रूप पर रसखान नहीं रीझ सके। वे जानते हैं कि अनादि, अनन्त भगवान ही कृष्ण के रूप में अवतार लेकर गोपियों के संग लीला कर रहे हैं। यही लीलामयी कृष्ण रसखान के प्यारे हैं। रसखान उस कृष्ण पर मुग्ध हैं जिसके सिर पर मोरपंख है, हाथ में लकुटी और कमर में पीताम्बर है। रसखान उस कृष्ण पर बलिहारी हैं जिनकी मुरली की तान गोपियों पर जादू कर गयी तथा रसखान उस कृष्ण पर अर्पित हैं जिनकी मुस्कान सबका मन आकर्षित करती है —

मोहनी वा मुरली की मधुर मुसुकानि सम्हारि न जाइ न जाइ न जाइ है।

क्रमशः —